ICAR-National Soybean Research Institute

ICAR-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर

Khandwa Road, Indore-452001

F. No. ICAR-NSRI/Press Release/ Media/Publicity/2025 Date 11.10.2025

Press Note प्रेस नोट

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज 11 अक्टूबर को 'धान्य कृषि योजना-प्रधानमंत्री धन' 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' औरके शुभारंभ के वेबकास्ट का राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान में किया गया आयोजन

इंदौर, 11 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 11 अक्टूबर को एक राष्ट्रीय कार्यक्रम "प्रधानमंत्री धन"धान्य कृषि योजना- और "दलहन आत्मनिर्भरता मिशन" की शुरुआत पूसा, नई दिल्ली में किया। इसी परिपेक्ष में राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के मंडप परिसर में आयोजित वेबकास्ट कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक डा के एच सिंह के नेतृत्व में किया गया ,जिसमे इंदौर शहर के लोकप्रिय सांसद श्री शंकर लालवानी जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर किसानों के साथ संवाद स्थापित किया .सांसद महोदय ने बताया की मध्य प्रदेश राज्य सोयाबीन उत्पादन में देश भर में अग्रणी है जिसका श्रेय उन्होंने माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित विभिन्न योजनाओ को दिया उन्होंने .यह भी बताया की आज उच्च गुणवत्ता के बीज अच्छी ,खाद तथा नकली दवाओं पर रोकथाम बीज , से बाज़ार तक किये गए अन्य प्रयास के बदौलत ही पिछले 11 साल में अनाज का 40% अधिक उत्पादन हुआ है वर्तमान .में डा मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही भावांतर भुगतान योजना के तहत किसान को सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य और वास्तविक बिक्री मूल्य के अंतर की क्षतिपूर्ति कर दी जाती है, जो छोटे किसानों के लिए बहुत ही मददगार साबित हुई है।

इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह महू ,से रोमा भारती ने बताया कि वह राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान इंदौर ,से प्रशिक्षण लेने के बाद 350 महिला किसानों सोयाबीन एवं मोटे अनाज के प्रसंस्करण शुरू किया जिसमे सोयाबीन के अनेक उत्पाद बना रही हैं,

कार्यक्रम के प्रारंभ में SCSP एवंTSP के लाभार्थी द्वारा इस संस्थान द्वारा समय समय पर किये जा रहे प्रशिक्षण एवं आदान वितरण जैसे की सोयाबीन के नए एवं उत्तम बीज ,खाद , सिलाई मशीन ,crop cutter machineकी सराहना कीSCSP . एवंTSP योजना के अंतर्गत संस्थान द्वारा माननीय सांसद एवं निदेशक महोदय की उपस्थिति में गेहूं वितरित किया गया।

राष्ट्रीय कार्यक्रम के वेबकास्ट के दौरान भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अध्यक्ष तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया की प्रधानमन्त्री के कार्यकाल में विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोत्तरी हुई है प्रधान ,मंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत देश की विभिन्न किसानों को अब तक 3,90,000 करोड़ रूपये का वितरण किया गया है सरकार .ने यूरिया एवं डी पी.ए.के मूल्य को नियंत्रित कर बाध्य हुए खर्च का बोझ अपने ऊपर लिया है किसान .क्रेडिट कार्ड द्वारा अब तक 10 लाख करोड़ से भी अधिक का लोन वितरित किया जा चूका है प्रधान .मंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत सब्सिडी और लाभ 1,82, किसानों 000के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर द्वारा लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए गए हैं प्रधान .मंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा अपनाए गए विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों की बदौलत ही भारत में खाद्यान्न में अब तक की % 40 बढोत्तरी हुई है साथ ,ही गेहूं,चावल , मक्का, सोयाबीन एवं अन्य फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई है यह .प्रधान मंत्रीजी की दूरदर्शिता के कारण दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु आज दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शुरू किया गया इसके .साथ ही अन्त्योदय योजना पी ,एम किसान धन्य धान्य योजना, कृषि अवसंरचना कोष आदि योजानायों को लागू किया गया माननीय .प्रधानमन्त्री का मिशन है की भारत में खाद्यान्न एवं अन्य मानकों की तुलना वैश्विक मानकों से किया जाएगा और भारत इससे भी आये जाएगा स्वदेशी .पैदा करेंगे स्वदेशी ,खायेंगे और स्वदेशी खरीदेंगे के नारे के साथ ही उन्होंने

प्रधानमन्त्री मोदी का संकल्प भारत को आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत बनाना है जिसके लिए निरंतर प्रयास पर जोड़ दिया.

इसके पश्चात माननीय प्रधानमन्त्री ने देश के दो भारत रत्न जयप्रकाश नारायण एवं नानाजी देशमुख की जन्मजयन्ती के अवसर पर रिमोट का बटन दबाकर 40,000+ करोड़ से ज्यादा अन्य परियोजनायों का शुभारम्भ किया उन्होंने .बताया की विगत 11 वर्षों में कृषि निर्यात और शहद का उत्पादन दुगुना हो गया अनाज का .उत्पादन लाख 900 मेट्रिक टन हो गया , सब्जी ,फलके उत्पादन में बढ़ोतरी हुई एवं दूध उत्पादन में भारत आज प्रथम स्थान पर है . उर्वरकबनाने के 6 बड़े कारखाने खोले गए ,100 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचाई की सुविधा बढ़ी आकांक्षी ,योजनायों के तहत पिछड़े हुए 100 जिलों का कृषि क्षेत्र में विकास करना है . इसयोजना के तहत अन्य 36 योजनायों को भी जोड़ा गया है राष्ट्रीय .दलहन मिशन के तहत 30लाख हेक्टेयर क्षेत्र वृद्धि का लक्ष्य रखा है खेती .की लागत कम करने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आवाहन किया अंत .में उन्होंने में यह सन्देश दिया किया की किसानों ने अन्न उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाया है और अब विकसित भारत बनाने की बारी है .